

DPN 5417

Title: देवी स्तुति DEVI STUTI

Run. No. 6108

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तुति / Hymn

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 23 x 8.3

Folios 10

Lines (in a page) 8/9

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Beginning and End folia missing.

स्तोत्रोक्तं च लघुनामैः सह ।

शुद्धिः शीर्षकं तु खः सी सह

Exact Title of this MS text is uncertain

CENTIMETERS

[illegible]

20

15

10

5

0

कुहलिकसंकाभा दुवात्रिभक्तला उहुं नयोवलयना मभुनिम्राकला
दनी सविवयवसंयुक्तमूकटमलिना भुजयनिगवाद्या सिनयद्यासनकि
ना ॥ अरुयायनरुमावदनदानेकनयना ॥ सिनवलुएगादवीनलमाहन ॥
अना ॥ यनांगनरुसंहा नाप्रावेवमना मनी ॥ ददाहुमूकिमेधयः सुपीगारु
दहुमम ॥ हिमकंददसंका ॥ सविवयवहविना ॥ मूकक ॥ अनिम्राद्याम
रुकिरुवहविना ॥ कयालखहांगन ॥ क ॥ अरुन ॥ कला ॥ नननूयागुवि
पेका वहुवकुमहावला ॥ गवासननगानिह ॥ वीनवेगालवदिका ॥ लियदि
का ॥ निमानं ॥ नानयडा यवीनिनी ॥ कावीकयाल ॥ अनाद्या ॥ नूयूनेनय ॥

लिना ॥ वक्रकाहुवा दवी ॥ पुनगार्फि विना निनी ॥ कभरुममहा ॥ अकिं ककवा
यासमविना ॥ अनिगर्हमिकादिद्या सर्वपा ॥ नशिवलिना ॥ अवाकसुमसंकाभा
सिंहाननविगुहावहु मूखीवहुवाहु ॥ क ॥ कयूरवहविना ॥ सवियूधधवा
लीमा ॥ अटा ॥ मूकटमलिना ॥ वहुवेदुय ॥ रविना ॥ महामनिमर्हका ॥ क ॥ अला
रुव ॥ अथभा ॥ वहुव ॥ अगमसंका ॥ अथेवा ॥ कयालमासमाता ॥ अदिनाकगना
नना ॥ कनालीकालरुजीव ॥ विगाहुदसम ॥ हुवा ॥ पुनासननगानिह ॥ दहुनाया
समविना ॥ अनिं कनाहुममा ॥ अयाग ॥ अथयदी ॥ दहुनागलिनादवी ॥ सर्व
देवनमस्तु ॥ सुगककनकयशाकाभी ॥ अदकसं निना ॥ दि ॥ अथामूककभीव

20

15

10

5

0

वीनात्रययायनात्रलारवमदिशनीयलकुलसहविना॥वदुर्वदनमहाशु
 मकारुलेनलकना॥मखलावकयना॥धुधुनेनयमभरिना॥कावीलिःकठके
 कुशेनलखिलेनलकना॥विभूतखडांगधनासिद्धसंघेऽयुद्विना॥येन
 याहनसंउसावनदानेकनत्यना॥वकुलीवकुनिर्घाया॥युक्तिनांमसमृद्धता॥ ३
 लीमवकुसमायना॥आयनामधुसंयदा॥भक्तिनाकुमदवी॥यागुधदि
 ग्धवक्तिना॥नीलजीमूतसंकाभनीलस्यदनसदृश॥वदुर्वदनसंयुक्ता॥म
 नासाहिविहविना॥महामभिरुभयना॥मूलमालेनलकना॥त्रनमखलमाला
 लि॥मानिगायनमखनी॥रुढामृकठ॥महाशु॥श्रुतिकुलसमभुना॥कयाल

मालयायनामहाशुनकनासना॥आधुवमपिदनादवी॥नरवमविभुतिना॥वदुर्वदुना
 महाभेदी॥मूलखडांगमविनी॥पुरुत्केपालरुस॥वदनदानेकनत्यना॥वकुमवांक
 लारीमा॥उद्यु॥भक्तिनिर्जना॥विश्वना॥विमानका॥यानिनीवदवदिना॥महाकु
 व्यामहासाहा॥महावलसमविना॥निर्हृदिहृदयहृना॥उरुवादि॥धुवक्तिना॥
 भक्तिनाकुमनिर्घासंघेसिद्धि॥यका॥नयिनासिद्धसंघेसु॥महासेनवमृ
 चिनी॥एगादश॥महाकाकुवमविदि॥उद्युजिना॥आयकानिमला॥भकाःस
 वसिद्धिप्रदायिका॥गलनालसमारुत॥मन॥हृदिसंकिता॥साकुकाहादविम
 ॥महायधुवक्तिना॥विवननिसदाकालीनवकाप्रदादिना॥यानिशुया

गसंरुगायागमाः नद्यवलिनाः सखिरुगावर्तविद्यः सुनिर्गर्वाकनायर्द ॥ कायुकी
 वलुकाकाराः एकवकुमहाः कटाः नवर्ककालमालाहिः महामन्त्रिविद्विना ॥ छिन्ना
 यनहस्रावंतुः नृयनीयवलिनाः दैव्याकनासविकटाः महारुषरुवाहिनीः वृद्धका
 ढिनगात्रीडीः कनाकुममभिकी ॥ विजयाहमयभुः हानैकाहनः भक्तसाः वकु
 रुसामहाकायाः नानावत्तविद्विना ॥ कांचीकयासः भक्तसाः महद्विनदममिनी ॥
 दवाहवनगानित्यः हानककुलमणिना ॥ ददाकुममहासिद्धिः महाविद्वत्सर्वय ॥ ग
 रुकभूविभलाः श्रीः नतिः कलनसंनिता ॥ गकिरुसाप्रवः भक्तः वदवेद्वयमणिना ॥
 कानग्यानसमाहृदाः श्रीनिर्गर्हसमूहया ॥ एकवकुनरुहीमाः शायनाः भक्तसंयदा ॥

कनाकुविजयमर्कः सिद्धगंधर्वयजिना ॥ महामुखीमहाहृदाः दैव्याः कटहयावया ॥ छिन्ना
 लेलिममानाकुचिन्तुः चिन्तलावना ॥ उक्तिवन्निमहानर्तकयासाहवः भक्तसाः ॥ एवानी
 लजिनकायाः वलुदभुक्तिभानिनी ॥ महामहिषमाहृदाः शायर्द्विक्काकुम ॥ नव
 पुनसमाहृदाः वकुहृदकभानिनी ॥ नीलमघयराहीमाः एकभामादयानिना ॥ भ
 किनीरुगसंभक्तानवनाससंयुता ॥ ददाकुमसदाकार्त्तः सिद्धिद्विपरीयिनी
 वकुवमयदिपुनाः सुवक्तनकमणिना ॥ भुक्तयुक्तनिताः भामाः यामरुसामहावता
 विद्वत्संभुलायनाः हानकयूनमणिना ॥ मकनासममाहृदाः शायरागभक्तविना ॥
 कानगात्रविद्विना ॥ भक्तिगावालकाः कलाः निगर्हयेवनामकाः कनाकुममभ
 निकी ॥ सिद्धिददाकुमनित्यः रुयः याहुमांसदा ॥ महाधानाहृदभामाः भूमक

20

15

10

5

0

5

10

15

20

25

उसमपुला॥ धनं कुरु कनारीमायं ववकावकुर्जु॥ रुय कुरुगंदायनाहानकुरुलमलुग॥
मृगसनाहनाठया॥ लिगायं शुद्धिरासना॥ नानावतविदिगदी॥ पानिसिवाव॥ ववना॥ सनसि
खननिर्ध्याय॥ लाकनिवासिनी॥ जगदायायनकनी॥ कनाकुममभनिक॥ गुरुमानाधम
धर्या॥ रुकानां रुकितसना॥ लिमवद्विखवारासा॥ विरुनकीसमकन॥ कयातमाताहनभा॥
महाहभिसमाहना॥ जटाकयात॥ मराद्या॥ सुखद्वारुधविधी॥ सिंरुवमभिकुकायनास
खनानूयवादिना॥ महागवमिना॥ कुरुमासिनायानिनीप्रिया॥ पुनरुधसमात्रुटावीन
मवीनवदिना॥ कनाकुममहाधनिक॥ कर्मसिद्धिवमधनी॥ पुनर्यावदसकाभा॥ लिनांजन
समयहा॥ दृष्टाकनातविकटा॥ मनासाहव॥ कला॥ पिंनला॥ कयिं गुरुटा॥ श्रीलिमाता॥
विह्विना॥ होमनूयामलाकाया॥ लिगुलायनयाभिका॥ वीनवमसुनमिना॥ सिद्धवानध

वदिना॥ महाकालीविभलाही॥ कनाकुममभनिक॥ यानिनीयकपेनकु॥ नानायागंधवादि
न॥ सुविर्गगगंधधर्वसर्वसिद्धियदायक॥ कनाकुममहाधनिक॥ मायुवाभायसंयद॥ श्रु
नामानाहृद॥ व्यापकसर्वनामूर्य॥ लाकालाकाकनादिवा॥ सुकिंतासाकनामोह॥ भवकु
कुरुय॥ रु॥ नानामलिहिविह्विना॥ लिनेगुयवरा॥ कुरुनागयद्वायवीलिनी॥ जटाहृदक
नाभीवी॥ वदुनेखाधविधी॥ महामालिकुनाठया॥ लिनेगुयद्वमूर्यना॥ माहमीदिमि
संरुगा॥ कनाकुममभनिक॥ साहुसिंदूर्य॥ जारा॥ वदुवकुावकुर्जु॥ दलुकमभुल
धना॥ कुरुमकुरुटमलुग॥ मालिकुनाहव॥ मयना॥ कुरुभांनिनविह्विना॥ वक्राणीवक्रसंरुगा॥
वदमकुयनिह्विना॥ रुसयससमात्रुटा॥ ददाकुममभनिक॥ लाजावर्कनिहादवी॥ गखव
कुरुगदाधरा॥ वदुवेहृयदीकांगी॥ रुमकुरुलमलुग॥ गुरुतासनमात्रुटा॥ वनमासाविह्वि

CENTIMETERS

ककुटवावाद्यं रुतवमालादिनां सननं महाभक्तिं कमाकुमुवस्युर्गं। यद्भगवत्कुरुवा
यां कुमजसाविकुताकुटा। दक्षिणकालानिश्चिद्वेरीनदिरयावृता। यिभवजनसंकीर्ण
नवनीगृध्रसंकीर्ण। महालक्ष्मीसमायता। यागिनीरिवसंकीर्ण। वल्लुवकु कनारासा। महाजि
काखनानना। कंकालीदनुवायाकु। मानिर्नरेवसंकीर्ण। यिगलं नाज कर्णवदनिर्ककु
दीमय्य। प्रहितिभवावरेयुका। नाकसीति। समावृता। यासिनीलीषधीमाया। मृत्पुद्गीति
वस्वनी। अग्निकाकुपया। नवत्रिगडिनिकमं। वल्लुनेनेववेसुया। यजिर्गमिदिवाक ७
टी। नुनीलमय्य। रुते। याकावेनय्य। अहिर्गं। यिहवनसमायता। कव। येनय्य। अहिर्गं
। क्रममाय्य। घर्णय्य। माननं सननं। ककुटं। कमाकुममहाभक्तिं सदाकासं भिवेकया। अ
दहासमहा। रुते। येनय्य। अहिर्गं। कदमवनय्य। अहिर्गं। महाहेनवमलुर्गं। खनीम

सेनवायनं यागिनीरिव समावृता। सोमसोममृत्वी। अका। अकाविधनायिका। विधवनी दस
व्याता। नाकसाविकुताकुटा। महाधेनिर्गदामदा। महायागिनी। कमाकुममहावसनसंयुक्त
जयासनसंविता। अनेकुमुभसंयुक्तं। सर्वदेवनमस्तुतं। यी० सदाहसंयुक्तं। कमाकुम
मभक्तिं। व्यातु। पुनं। यलाघावे०। अमनासककुटिर्गं। यागिनीवीनेवेनाले० खनीम
दिहृषिर्गं। अग्निकाकुपया। नवत्रिगडिनिकमं। वल्लुनेनेववेसुया। यजिर्गमिदिवाक ७
टी। नुनीलमय्य। रुते। याकावेनय्य। अहिर्गं। यिहवनसमायता। कव। येनय्य। अहिर्गं
। क्रममाय्य। घर्णय्य। माननं सननं। ककुटं। कमाकुममहाभक्तिं सदाकासं भिवेकया। अ
दहासमहा। रुते। येनय्य। अहिर्गं। कदमवनय्य। अहिर्गं। महाहेनवमलुर्गं। खनीम

उनयावे हृदि न राखी। विरुकादि पुराणी धर्म सुवर्क समाकूल। देखु कना लविकठ वि
 वरु नृपिना सर्व। कया लन विविध मृगु मा ला विरु विग। महा काल सुवाधी सेः ना रुसे ४ य वि
 वा विग ॥ के ला स नृ उरु वी धर्म य वि। म क नू व क नालिनी ॥ या नि या योग स पद्मा ४ स व वि य व
 ह विग ॥ म क वी क म क वी व वि ठाली पू न ना र था ॥ ग रु क वी रु ड काली व त्र मा ला विरु वि
 ना ॥ म ल पु ना व कं धा र वृ धु स घा न व विग ॥ म क वा स न मा रु ड व व सु ने व वि विनी ॥ र
 म क र व वा प न य वि म न य व विग ॥ ह न पु न ग ल व रं ड की धर्म क ना रु म म म न्नि क ॥
 न म मा या य न सी म्। म रु दि रु व स व र ॥ क द म व न पू था य विरु म खा विरु विग
 क क ध रु स मा की धर्म वा य था स व विग ॥ यु न य वि स मा की धर्म वि ना रि ३ पु ड ल नि
 न रु ती मा न न धा र क या ली ग म हा रु ॥ म म न दी ० म धा रु या नि नी रि ३ पु वं